पाठ 13. हमारे पेड़

पाठ का परिचय

यह धरती हमारी प्यारी माँ है और उसपर लगने वाले पेड़ हमारे साथी। ये पेड़ हमें नया जीवन देते हैं, दुखियों के दुखों को दूर करते हैं, हमें रोगों से बचाते हैं, शुद्ध वायु देकर हमें ताकतवर बनाते हैं, हमें त्याग का पाठ पढ़ाते हैं, अपना जीवन जलाकर हमें भोजन देते हैं, वर्षा करवाते हैं, सारे कष्टों को सहते हुए भी ये जंगल की शोभा बढ़ाते हैं। ये पेड़ कभी किसी से कोई शिकायत नहीं करते और परहित जीवन जीते हैं। आइए, पेड़ लगाकर हम इनके प्रति अपनी श्रद्धा समर्पित करें।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

परोपकार का जीवन जीना चाहिए। दुख-दर्द सहकर भी लोगों के हित में कार्य करना चाहिए। कभी गर्व नहीं करना चाहिए। फलों से लदकर पेड़ झुक जाते हैं। मरकर भी लोगों के काम आने का प्रयत्न करें। (आजकल लोग अपने अंगों का दान करके ऐसा करते हैं।)

पाठ का वाचन

पहले अध्यापक/अध्यापिका स्वयं कविता पाठ करें। बच्चे पुस्तकें बंद रखकर सुनें। कविता प्रेरणा देने वाली है अतः ऊँचे स्वर के साथ लय में पढ़ें। बच्चों से अनुकरण करने को कहें। कविता में आए कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए कविता का सरलार्थ करें।

महत्वपूर्ण चर्चा

बच्चों से निम्नलिखित प्रश्नों पर आधारित चर्चा करें –

- पेड़ों का जीवन हमें क्या सिखाता है?
- क्या तुम्हें भी किसी को सुख देकर अच्छा लगता है?
- धरती को हमारी माँ क्यों कहा जाता है?
- 'त्याग' से तुम क्या समझते हो?
- 'पानी' हमारा जीवन है, कैसे?